आईआईटी रुड़की का 175वां स्थापना दिवस समारोह माननीय अध्यक्ष का संबोधन

———

आईआईटी, रुड़की के 175वें स्थापना दिवस पर इस बहुप्रतिष्ठित संस्थान में आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

उत्तराखंड की यह धरती अध्यात्म, धर्म, संस्कृति, पर्यावरण, योग और विज्ञान की धरती के रूप में जानी जाती है, लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार के क्षेत्र में आईआईटी, रुड़की के कारण भी उत्तराखंड की एक पहचान है। यहां पढ़ने वाले विद्यार्थीगण, देश के अलग-अलग क्षेत्रों में, अलग-अलग संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, राष्ट्र के निर्माण में सेवाएं दे रहे हैं और भारत के बाहर दुनिया के अंदर नए इनोवेशन्स, रिसर्च, कई कंपनियों के सीईओ के रूप में उनका योगदान है।

पुराने विद्यार्थियों द्वारा नए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए इस समारोह का आयोजन अपने आप में विशेष महत्व रखता है। मुझे खुशी है कि इस संस्थान ने आज़ादी के पहले भी यहां पर थॉमसन कॉलेज के रूप में और फिर इंजीनियरिंग कॉलेज के रूप में कार्य किया है। इसने आज़ादी के पहले का दौर देखा, स्वतंत्रता संग्राम का दौर देखा, फिर आज़ादी के बाद इन 75 वर्षों में बदलाव का यह नया भारत देखा। 175 सालों में लगातार इसकी प्रतिष्ठा बढ़ी है। प्रतिष्ठा बढ़ाने में जहां भवन की, संसाधनों की, इक्विपमेंट्स की महत्ता रहती है, लेकिन उससे ज्यादा यहां पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों, उनके ज्ञान-कौशल, उनके इनोवेशन्स, नई तकनीकी, नई सोच के कारण इस संस्थान ने प्रतिष्ठा हासिल की है। मैं आप सब से सीखने, समझने और आपके अनुभवों का लाभ लेने आया हूं।

आज दुनिया के सबसे बड़े और प्राचीनतम लोकतंत्र जिसका सबसे बड़ा संविधान है, हमारी वायब्रेंट डेमोक्रेसी के साथ हमारी विविधताएं हमारी ताकत हैं और इन सबके कारण ही दुनिया में भारत का एक स्थान है। देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, 75 साल की इस यात्रा में, इन संस्थानों के माध्यम से, आधारभूत ढांचे, नई तकनीकी, नए विज्ञान, नई सोच के साथ भारत की प्रगति हुई है।

हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि जब आज़ादी के 100 साल हों, भारत एक विकसित राष्ट्र बने और दुनिया के अंदर भारत हर क्षेत्र में नेतृत्व करे। यह अपेक्षा और आकांक्षा देश की जनता से उनकी है। उसी अपेक्षा और आकांक्षा को लेकर आप लोग काम कर रहे हैं। आपकी इन सेवाओं और संकल्प को देखकर विद्यार्थियों में नई ऊर्जा तथा नया सामर्थ्य आएगा।

मुझे खुशी है कि हमारे आईआईटियन विश्व में सर्वश्रेष्ठ रूप से प्रौद्योगिकी विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। वे वैश्विक स्तर पर नई सोच, नए विचार, नई प्रौद्योगिकी के साथ, नवाचार के साथ, नए इनोवेशन के साथ आज चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं।

साथियो, आज दुनिया में भारत आर्थिक डेस्टिनेशन का सबसे प्रमुख केन्द्र बन चुका है। हम हर क्षेत्र मे, चाहे प्रौद्योगिकी हो, विज्ञान हो, डिफेंस सेक्टर हो, एयर स्पेस का सेक्टर हो, हर क्षेत्र में हमारे नौजवान नई रिसर्च, नई सोच के कारण, अपने बेहतर स्टार्ट अप के कारण चुनौतियों का समाधान दे रहे हैं और भारत की आर्थिक ताकत, शक्ति तथा सामर्थ्य को भी मजबूत कर रहे हैं। आज हमारे प्रौद्योगिकी प्रोफेशनल्स, चार्टेड अकाउंटेट, इंजीनियर, डॉक्टर्स पूरे विश्व में अपनी पहचान बना रहे हैं।

बदलते परिप्रेक्ष्य में हमारे विश्वविद्यालयों को भी रिसर्च, इनोवेशन के सेंटर बनाने पड़ेंगे। अभी तक हमारे आईआईटी ही रिसर्च और इनोवेशन के सेंटर बने हैं, लेकिन आज शिक्षा के साथ-साथ कुशलता, तकनीकी विज्ञान, नई सोच को डेवलप करने की आवश्यकता है, ताकि भारत का हर विश्वविद्यालय और उस विश्वविद्यालय में पढ़ने वाला विद्यार्थी नए इनोवेशन, नई रिसर्च, नई खोज करे तथा हर चुनौती का समाधान करें।

आज बदलते परिप्रेक्ष्य में चौथी औद्योगिक क्रांति का दौर चल रहा है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, प्रौद्योगिकी, तकनीकी विज्ञान में भी हमारा नौजवान लगातार नई रिसर्च कर रहा है।

हमारे यहां पर एग्रीकल्चर का बहुत बड़ा सेक्टर है। एग्रीकल्चर में भी हमारे स्टार्ट अप्स बेहतरीन काम कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि इस क्षेत्र में आईआईटी रुड़की काम कर रहा है। यहां आस-पास के किसानों को एग्रीकल्चर की नई रिसर्च, नए स्टार्ट अप्स, समय-समय पर उनको जानकारी देना, जितनी भी इंडस्ट्रीज और सर्विस सेक्टर के संस्थान यहां काम कर रहे हैं, उनको भी अपने कैम्पस में इनोवेशन तथा नई रिसर्च करके उनका समाधान देने का काम कर रहे हैं।

साथियों, आने वाले समय में हमारे ये विश्वविद्यालयों के कैम्पस और हमारे नौजवान ही हर चुनौतियों का समाधान करेंगे तथा नए इंडस्ट्री सेक्टर में, नए इनोवेशन, नई रिसर्च करने का केन्द्र बनेंगे। ये दुनिया के विकसित देशों के अंदर वहां चाहे मेडिकल हो, इन्फ्रास्ट्रक्चर हो, उपभोक्ता सेवा हो, विज्ञान हो, उन सारे सेक्टर्स के अंदर विश्वविद्यालय रिसर्च, इनोवेशन और वहां की नई सोच के साथ, नई रिसर्च करने के साथ बेहतर तकनीकी ज्ञान दे रहे हैं।

यहां पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने अलग-अलग क्षेत्रों जैसे किसी ने माइनिंग के क्षेत्र में काम किया, किसी ने भूकम्प के क्षेत्र में काम किया, किसी ने आईआईटी के अंदर काम किया। गंगा नहर, भाखड़ा और राजस्थान की नहर, ऐसे कितने ही इन्फ्रास्ट्रक्चर और विज्ञान में भारत में उनका बड़ा योगदान रहा है। आज उनके योगदान को याद करने का दिन है।

नए भारत, आत्मनिर्भर भारत में पुराने विद्यार्थियों के अनुभवों का लाभ लेते हुए, हम किस तरीके से दुनिया के अंदर जब भी कोई नई टेक्नोलॉजी आए, तो वह भारत से निकले। मेडिकल के अंदर कोई रिसर्च हो, पेपर निकले

तो भारत से निकले, इंफ्रास्ट्रक्चर में कोई परिवर्तन निकले तो वह भारत से निकले। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में कोई नई चीज निकले तो वह भारत से निकले, रोबोटिक के अंदर निकले तो भारत से निकले। हर सेक्टर के अंदर मेरा देश अग्रणी रहे और दुनिया के अंदर हर चुनौती का समाधान भारत का नौजवान करे, यही हमारा संकल्प होना चाहिए।

आप दूर-दराज के राज्यों से आए हैं। मैं आपको विशेष रूप से धन्यवाद देता हूं कि आज भी आप इस माटी से, इस संस्थान से जुड़े हैं, आप धन्यवाद के पात्र हैं।

बहुत-बहुत धन्यवाद।